

करना; पाप मोल लेना- जानबूझकर किसी बखेड़े के काम में फँसना, झगड़े में पड़ना; पाप गले लगाना/पीछे लगाना- बहुत समय के लिए अनिच्छा पूर्वक किसी बखेड़े या झंझट के काम में जाना, कोई विघ्न या बाधा साथ लगाना, कठिनाई, संकट, मुश्किल, पापग्रह, अशुभग्रह, क्रूर ग्रह।

**पाप वि.** (तत्.) 1. पापयुक्त, पापी 2. दुष्ट, दुरात्मा, दुराचारी, बदमाश 3. अशुभ, अमंगल, विशेष-संस्कृत में विशेषण के रूप में प्रयुक्त, हिंदी में समास के साथ प्रयुक्त जैसे- 'पापग्रह', 'पापपुरुष'।

**पापकर्म** पुं. (तत्.) अनुचित कर्म, बुरा काम, वह काम जिसे करने में पाप हो।

**पापकर्मा वि.** (तत्.) पापी, पातकी, पाप करने वाला।

**पापक्षय** पुं. (तत्.) 1. पापों का नष्ट होना 2. वह स्थान जहाँ जाने से पापों का नाश हो, तीर्थ, पुण्यभूमि।

**पापग्रह** पुं. (तत्.) 1. फलित ज्योतिष के अनुसार कृष्णाष्टमी से शुक्लाष्टमी तक का चंद्रमा, देखने में आधे से कम आकार वाला चाँद या चंद्रमा 2. फलित ज्योतिष के अनुसार सूर्य, मंगल, शनि और राहु-केतु ग्रह अथवा इनमें से किसी ग्रह से युक्त बुध भी अशुभ माना जाता है।

**पापघ्न** पुं. (तत्.) तिल वि. (तत्.) पापनाशक, पाप नष्ट करने वाला, जिससे पाप नष्ट हो जाए।

**पापघ्नी स्त्री.** (तत्.) तुलसी।

**पापचर वि.** (तत्.) पापी, पापाचारी, पाप करने वाला।

**पापचर्य** पुं. (तत्.) 1. राक्षस, यातुधान 2. पाप में रत व्यक्ति; पापी व्यक्ति।

**पापचारी वि.** (तत्.) पाप करने वाला, पातकी, पापी।

**पापचेता वि.** (तत्.) बुरे चित्त वाला, दुष्टचित्त, जिसके चित्त में सदा पाप बसता हो।

**पापड़** पुं. (तद्.) धुले उड़द, मूंग के आटे या आलू, साबूदाना, आदि से बनाई गई पतली मसालेदार

चपाती जिसे तेल या घी में तलकर या आग पर सेंककर व्यंजन के रूप में खाया जाता है मुहा. पापड़ बेलना- कठोर परिश्रम करना, भारी प्रयास करना, कड़ी मेहनत करना, कठिनाई या दुख के दिन काटना, व्यर्थ श्रम करना, बहुत से काम कर चुकना, जगह-जगह भटकना।

**पापड़ वि.** (तद्.) 1. बारीक, पतला, कागज-सा 2. सूखा, शुष्क।

**पापड़ाखार** पुं. (तद्.) केले के पेड़ का क्षार।

**पापड़ी स्त्री.** (देश.) मध्यप्रदेश, पंजाब, मद्रास आदि प्रांतों में होने वाला एक पेड़ जो लंबे तने का होता है और इसकी लकड़ी घर और गाड़ियों के बनाने में काम आती है।

**पापदृष्टि वि.** (तत्.) जिसकी दृष्टि पापमय हो, निंदित दृष्टि; अशुभ या अमंगल दृष्टिवाला, बुरी नजर वाला।

**पापनामा वि.** (तत्.) 1. जिसका नाम बुरा हो, अमंगल तथा अभद्र नाम वाला 2. बदनाम, अपकीर्ति, जिसकी निंदा या बदनामी हुई हो।

**पापनाशक वि.** (तत्.) पापों का नाश करने वाला।

**पापनाशिनी स्त्री.** (तत्.) 1. शमी वृक्ष 2. तुलसी।

**पापनिष्कृति स्त्री.** (तत्.) प्रायश्चित।

**पापपुरुष** पुं. (तत्.) 1. पापमय व्यक्ति, पापप्रकृति वाला पुरुष, दुष्ट 2. तंत्री, एक कल्पित पुरुष आकृति जिसके शरीर के सभी उपादानों में केवल पाप होता है वर्ण काला, आँखें लाल, सर्वदा कुपित और तलवार ढाल लिए होता है।

**पापफल वि.** (तत्.) वह (कर्म) जिसका फल पाप हो, पापोत्पादक, अशुभ फल देने वाला।

**पापबृद्धि वि.** (तत्.) पापी, पापकर्म में सतत लगा रहने वाला।

**पापभक्षण** पुं. (तत्.) काल भैरव नामक देवता।

**पापमति** पुं. (तत्.) दे. पापबुद्धि।